ज्वालामुखी योग - 36

अव्यक्त बापदादा :- (25.03.2005)

➳ _ ➳ **मास्टर सूर्य बन अनुभूति की किरणें फैलाओ|** अभी दुःख बहुत-बहुत बढ़ रहा है, बढ़ता रहेगा। इसलिए मास्टर सूर्य बन अनुभूति की किरणें फैलाओ। जैसे सूर्य एक ही समय में कितनी प्राप्तियाँ कराता है, एक प्राप्ति नहीं कराता। सिर्फ रोशनी नहीं देता, पावर भी देता है। अनेक प्राप्तियाँ कराता है। ऐसे **आप सभी इन 6 मास में ज्ञान सूर्य बन सुख की, खुशी की, शान्ति की, सहयोग की किरणें फैलाओ। अनुभूति कराओ।**

➳ _ ➳ आपकी सूरत को देखते ही दुःख की लहर में कम से कम मुस्कान आ जाये। आपकी दृष्टि से हिम्मत आ जाये। तो यह अटेन्शन देना है। विधाता बनना है, तपस्वी बनना है। **ऐसी तपस्या करो जो तपस्या की ज्वाला कोई न कोई अनुभूति कराये। सिर्फ वाणी नहीं सुनें अनुभूति कराओ।**

➳ _ ➳ **अनुभूति अमर होती है।** सिर्फ वाणी थोड़ा समय अच्छी लगती है सदा याद नहीं रहती। इसलिए अनुभव की अथॉरिटी बन अनुभव कराओ। **जो भी सम्बन्ध सम्पर्क में आ रहे हैं उन्हों को हिम्मत, उमंग-उत्साह अपने सहयोग से बापदादा के कनेक्शन से दिलाओ। ज्यादा मेहनत नहीं कराओ।** न खुद मेहनत करोन औरों को कराओ। निमित हैं ना! तो वायब्रेशन ऐसे उमंग-उत्साह का बनाओ जो गम्भीर भी उमंग-उत्साह में आ जाये। मन नाचने लगे खुशी में।

➢➢ सूर्य से क्या क्या प्राप्तियां हैं?

➳_ ➳ रौशनी देता है...

➳_ ➳ जहा सूर्य है, वहां प्रकाश है, अंधकार आ न सके...

➳_ ➳विटामिन डी देता है...

➳_ ➳ गर्मी, उर्जा, ऊष्मा लता है...

➳_ ➳ solar से बिजली बनता है...

➳_ ➳ सूर्य में गुरूत्वाकर्षण बल है...

→ जिससे सभी ग्रह केंद्र पर घूम रहे हैं...

➳_ ➳ सूर्य बिना जीवन संभव नहीं है...

➳_ ➳ सूर्य से कीटाणु भस्म होते हैं..

➳_ ➳ माईट, शक्ति देता है...

➳_ ➳ बहुत सी बीमारियाँ sun bath से दूर हो जाती हैं..

➢➢ मास्टर ज्ञान सूर्य बन अनुभूति की किरने फैलाओ..

➳_ ➳ शांति की

➳_ ➳ ख़ुशी की

➳_ ➳ सुख की

➳_ ➳ सहयोग की

→ संसार की आत्माओं ने ख़ुशी मास्क रूप में ओढ़ रखी है... ख़ुशी दिखावा मात्र है...

→ उनके मन अशांत हैं...

→ वे स्व धर्म को भूले हुए हैं..

→ इच्छाएं इतनी हैं, जो शांत नहीं रहने देती...

■ सबसे बड़ा वरदान है इच्छा मातरम अविद्या...

▶ संसार की इच्छा ही न हो...

▶ आत्माओं को सहयोग, सुख, ख़ुशी की अनुभूति कराओ...

➢➢ अनुभूति अमर होती है...

➳_ ➳ ब्राह्मण बनने के बाद हर आत्मा ने एक सेकंड की तो प्रभु प्रेम की अनुभूति की होगी..

→ अनुभूति के लिए ज्यादा समय नहीं चाहिए..

→ एक सेकंड ही चाहिए...

■ अनुभव की अथोरिटी बन अनुभव कराओ..

➢➢ अनुभव कराने के लिए हमें कौनसी चीजों की आवश्यकता है?

➢➢ EXPERIENCE

➳_ ➳ E - Experience

→ जिसे अनुभव कराना है, उसे खुद अनुभव होना चाहिए..

■ स्वयम अनुभवी मूर्त हो..

➳_ ➳ X - Xray Machine

→ ऐसे एक्स रे मशीन हो, जिससे हम खुद को भी देख सके...

→ जिसे स्नुभ्व कराना है, उसे भी देख सके...

■ जिससे मोह है, उसे कुछ होगा तो अंदर हलचल होगी...

■ हम अपने मोह को प्रेम, स्नेह, तोड़ निभाने की संज्ञा देते हैं...

▶ कर्तव्य मोह में बदल जाता है, और हम उसे कर्तव्य निभाने का नाम देते हैं...

▶ ऐसी एक्स रे मशीन हो, जिसमे हम खुद को और दूसरों को भी देख सकें...

▶ बारीक निरीक्षण हो...

➳_ ➳ P - Powerful Stage

→ शक्तिशाली स्थिति हो...

➳_ ➳ E - Enlightment

→ सम्पूर्ण जागरण हो...

- तभी दूसरों को सीखा सकते हैं..

➳_ ➳ R - Reserve

→ जमा करना...

- ज्ञान गुण, शक्तियां जमा हो...
  - नहीं तो अनुभव कैसे करायेंगे...

➳_ ➳ I - Intixication

→ नारायणी, रूहानी नशा हो...

- नशा चढाने के लिए नशा भरपूर चाहिए...

➳_ ➳ E - Eagerness

→ उत्सुकता, उत्कंठा, तत्परता हो...

- दूसरों को अनुभव कराने की..
  - जब तक ये उत्सुकता नहीं, अनुभव नहीं करा सकते...

➳_ ➳ N - Nector of GOD ' Love

→ प्रभु प्रेम का अमृत हमारे पास होगा, तभी दे सकते हैं...

➳_ ➳ C - Connection

→ बाबा से कनेक्शन हो...

→ उन आत्माओं से भी, जिनको सकाश देनी है...

- Eye contact चाहिए...
- Soul connection चाहिए...

➳_ ➳ E - Empowerment Technic

→ सशक्तिकरन करने की विधि चाहिए...